

332

आज पत्रजली पत्र उद्योग की लवाही
अनु०। वारी अनु०। कई बार आवाज
लगाई गई वती वारी उपस्थित नहीं
वारी के वकील उपस्थित हुए। पत्रकी
आरंभ पत्रकी व आरंभ दाखरी के वकील
की जाकर पत्रजली व फौजल सुमार
दीकर आरंभ उद्योग है।



उपसभडाधिकारी
बादी (श्रीलपुर) राजप.